

(भाग - अ)		
संलग्न पत्रक		कि
कुल कित्ता-		
कुल योग (भाग-अ+ब)		
खसरा नं.		रकबा

18-1-19 तारीख
27-2-19
निश्चित की गई है। पेश हो। ५

पीठासीन अधिकारी राज्य कार्य/अवकाश/
प्रोटोकॉल कार्य में व्यस्त रहने के कारण
भाज दिनांक... 27-2-19... की तारीख
पेशी आगामी दिनांक... 2-4-19...
निश्चित की गई है। पेश हो। ५

पीठासीन अधिकारी राज्य कार्य/अवकाश/
प्रोटोकॉल कार्य में व्यस्त रहने के कारण
भाज दिनांक... 8-4-19... की तारीख
पेशी आगामी दिनांक... 24-06-19...
निश्चित की गई है। पेश हो। ३

पीठासीन अधिकारी राज्य कार्य/अवकाश/
प्रोटोकॉल कार्य में व्यस्त रहने के कारण
भाज दिनांक... 24-6-19... की तारीख
पेशी आगामी दिनांक... 19-8-19...
निश्चित की गई है। पेश हो।

पीठासीन अधिकारी राज्य कार्य/अवकाश/
प्रोटोकॉल कार्य में व्यस्त रहने के कारण
भाज दिनांक... 19-8-19... की तारीख
पेशी आगामी दिनांक... 22-10-19...
निश्चित की गई है। पेश हो।

पीठासीन अधिकारी राज्य कार्य/अवकाश/
प्रोटोकॉल कार्य में व्यस्त रहने के कारण
भाज दिनांक... 22-10-19... की तारीख
पेशी आगामी दिनांक... 24-12-19...
निश्चित की गई है। पेश हो।

पीठासीन अधिकारी राज्य कार्य/अवकाश/
प्रोटोकॉल कार्य में व्यस्त रहने के कारण
भाज दिनांक... 24-12-19... की तारीख
पेशी आगामी दिनांक... 30-12-19...
निश्चित की गई है। पेश हो।

30/12/19

पञ्जावली पेश हुई। वकील वादी
वादी व वकील वादी को एक-एक
बार-बार भावाज लगाने पर
वादी व स्वयं वादी न्यायालय
नहीं डीपे डीत। वादी का वाड पर
सजरी इदम पेशी के स्वार्ज
है। पञ्जावली केसल शुभाल हो
से कम होकर वाड वकील शारि

